



बाढ़ के बाद मैदान
आक बढ़िया सुरु
किह्नी। नूज केर
परिवार तेरे पूर पृथिवी
फिर ते वैसेहो होई गे
जेसे पाहिले भरी रहाए।

19

नूह और भारी बाढ़
परमेश्वर केर वचन सेने कहानी, बाइबिल
मा पावा जात है
उत्पति ६-१०

"तुमरे वचन केरे द्वारा प्रकाश मिलत है।"
भजन संहिता ११९:१३०



नूह और भारी बाढ़

लिखा गवा Edward Hughes
प्रकाशित Byron Unger; Lazarus

अनुवाद Vijay Kumar
रूपांतरण M. Maillot; Tammy S.

साठ(६०) कि तीसर (3) कहानी

M1914.org

Bible for Children, PO Box 3, Winnipeg MB R3C 2G1 Canada

अनुज्ञा : आप लोगन का कहानी का प्रतिलिपि और छपाई करेक अधिकार है,
जब तक आप इका बेचत नाही है।

परमेश्वर जानत है कि हम सब लोग बुरा काम किये
हैं जिका ऊ पाप बोलत है पाप केर दंड खली मृतु है है।

परमेश्वर हमसे इतना प्रेम करत है कि ऊ आपन
इकलौता पुत्र हमका हमरे पाप केर खतिर दई दीस ताकि
हमार पाप उके द्वारा छमा होई जाए। येशु फिर जिन्दा
होई गए और स्वर्ग माँ चले गए अब परमेश्वर
हमरे पाप का छमा कर सकत है।

अगर हमका अपने पापन से फिरेक है तब ई परमेश्वर
से बोले: प्रिय परमेश्वर हम विश्वास करीत है कि येशु हमरे पापन
खातिर मारा गवा और जी उठा। कृपया हमरे जीवन मा आओ और
हमरे पापन का छमा करो ताकि हमरे पास नवा जीवन होए तब हम
जीवन भर तुमरे साथ रही। हमका अपने बच्चन जेसे जिए के
खातिर मदद करो। युहन्ना 3:16

बाइबिल पढ़े और परमेश्वर से बात करे।

अवधी

Awadhi

नूह एक ऐसन आदमी रहाए
जो परमेश्वर केर आराधना
करत रहाए। सबही
लोग उका नफरत और
अनाज्ञाकारी करत रहाए।



परमेश्वर, एक बहुत चौके वाली
बात बोलिन। "हम ई पाप भरी
दुनिया का नाश कर देब" परमेश्वर
नूह से कहिन "खाली तोम्हार
परिवार बचियेहै।"



1

2



परमेश्वर नूह का बोलिन कि एक बडवार बाढ़ आइहो और पूरे धरती पर छह जाई। सुनो एक लकड़ी केर संदूक केर निर्माण करो एक पानी केर जहाज तुमरे परिवार और जानवरन केरे खातिर बड़ा होई। परमेश्वर नूह का सटीक निर्देश दिहिन और नूह उमा व्यस्त होई गा।

3



हुवा बहुत जने नूह केर मजाक बनाए लगे कि नूह काहे ऊ जहाज बनावत रहाए। नूह भवन बनावेम

लगा रहाए। और ऊ और लोगन का परमेश्वर केर बारे में बतावत रहाए। लेकिन कौनो नहीं सुनो।

4



नूह मा बहुत बड़ा विस्वास रहाए। ऊ हुवा तक भी आपन विश्वास करिस रहाए कि जब तक पानी भी कभी हुवा नही गिरा रहाए। और बहुत जल्दी नूह केर संदूक लोड केर साथ तैयार रहाए।

5



जानवरन का लाइन। परमेश्वर उमन सेने सात प्रजातिया लाइन दुई का मिलाके के बडवार और छोटे पक्षियाँ का संदूक मा आएक लिए उमा रास्ता बनेइयन।

6



कुछ लोग हुवा पर नूह का भरी बेज्जती करिन काहेक लिए नूह बहुतन जानवरन का उमा ली जात रहाए। और ऊ लोग परमेश्वर के विरोध मा पाप करेक नही बंद करिन और संदूक मा आएक लिए भी नही पूछीन।

7



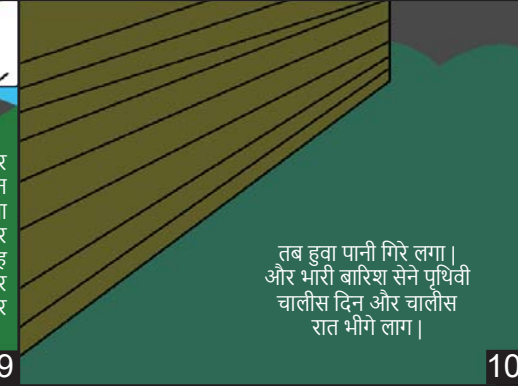
आखिर मा सब पक्षी और जानवर उमा चले गये।

8



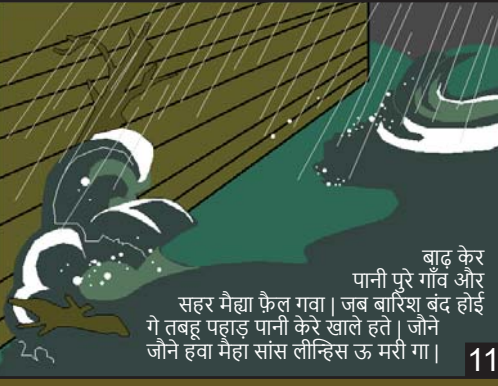
तब परमेश्वर नूह से बोलिन कि संदूक मा आओ, तुम और तुमार परिवार, नूह और तुम्हार पत्नी, और उके तीन बेटवा और उनकर पत्नी संदूक मा आई गये। तब परमेश्वर दरवाजा बंद कर दीन।

9



तब हुवा पानी गिरे लगा। और भारी बारिश सेने पृथिवी चालीस दिन और चालीस रात भीगे लाग।

10



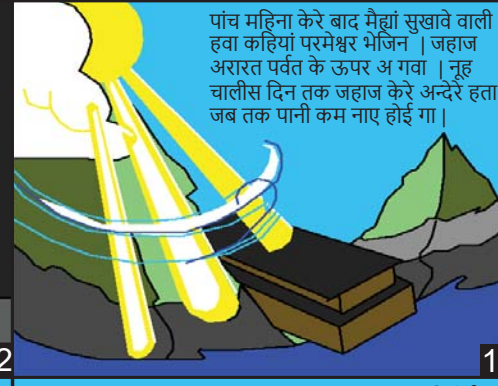
बाढ़ केर पानी पूरे गाँव और सहर मैहा फैल गवा। जब बारिश बंद होई गे तबहू पहाड़ पानी केर खाले हते। जोने जौने हुवा मैहा सांस लीन्हिस ऊ मरी गा।

11



जेसेह बाढ़ केर पानी उठा वैसेह जहाज पहाड़ पर रुक गवा। शायद उपहके अंदर अधेर होई गवा रहाए, या उबड़ खाबड़ रहाए, उरो हता। जहाज नूह का बाढ़ तेरे बचाए लिनिहिस।

12



पांच महिना केरे बाद मैहा सुखावे वाली हुवा कहियां परमेश्वर भेजिन। जहाज अरारत पर्वत के ऊपर अ गवा। नूह चालीस दिन तक जहाज केरे अन्दरे हता जब तक पानी कम नाए होई गा।

13



नूह खिड़की खोलिन और केबूतर का उद्दाइय दीन। आराम करेक खातिर जब उका सूख जगह नाए मिली तो वापस नूह के पास लौट आवा।

14



एक हफता केरे बाद उई फिर एक कबूतरी केरे उड़ा दिनिह। ऊ शाम तक का अपने चोवांच मैहां नवा जौतुन केर पत्ता दाब के लावा। अगले हफता कहियां नूह कैहयां पता हता कि पृथिवी सूख गए है काहेक मारे जौने कबूतर भेयजजा हातीं ऊ वापस नाए अवा हता।

15



परमेश्वर नूह का बतावे लाग कि अब तुम जहाज कहिया छोड़े केर समय आ गवा है अपने परिवार सहित और सगरे जानवर समेत सब जने नीचे उतर आओ।

16



नूह बहुत खुसी होई गा नूह एक वेदी बनेईस और परमेश्वर केर आराधना करिस काहेक मारे कि परमेश्वर नूह और उके परिवार का बाढ़ तेरे बचा लिन हाते।

17



परमेश्वर आक नूह तेरे वाचा बाधीन कि बाढ़ तेरे हम मनुसयां कहियां नाश नई करिबे। और बाढ़ नहीं भेजब परमेश्वर अपने

वादा कहियां दिखावे खाती बादलन मैहां एक धनुष रखिन उहके सात रंग हैं यू परमेश्वर केरे वादा कैयाहना याद करावत है।

18